कार्यशाला प्रतिवेदन

भाकृअनुप–औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए निदेशालय के सभी लोगों को कोरोना महामारी के प्रति औषधीय पौधों के बारे में जानकारी देने हेतु दिनांक 19 सितंबर, 2020 को "कोरोना महामारी में औषधीय पौधों का उपयोग" विषय पर एक द्विवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला की शुरूआत आईसीएआर गीत के साथ किया गया। तत्पश्चात डॉ. आर. पी. मीना, हिन्दी अधिकारी ने कार्यशाला से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की। इस कार्यशाला में निदेशालय के सभी श्रेणी के कार्मिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर निदेशालय के प्रभारी निदेशक डॉ. सत्यांशु कुमार ने हिन्दी कार्यशाला की अध्यक्षता की और अपने अध्यक्षयी भाषण में दो औषधीय पौधों के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला जो निदेशालय के अधिदेशित फसलों में भी शामिल है और कोरोना महामारी के प्रति विश्वस्तर पर अपना स्थान बना लिया है। साथ ही उन्होंने सभी को शुभकामनाएं भी दी।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में "कोरोना महामारी में औषधीय पौधों का उपयोग" विषय पर वक्ता डॉ. आर. पी. मीना, वैज्ञानिक ने कोरोना महामारी के फैलने और उसको रोकने से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की।

कार्यशाला के दूसरे सत्र में "कोरोना महामारी में औषधीय पौधों का उपयोग" विषय पर वक्ता डॉ. पी. एल. सारण, प्रधान वैज्ञानिक ने कोरोना महामारी में कई औषधीय पौधों के बारे में जानकारी देते हुए उसको उपयोग करने के तरीके भी बताएं।

अंत में डॉ. राम प्रसन्न मीना, हिन्दी अधिकारी व वैज्ञानिक, भाकृअनुप–औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसांधान निदेशालय, बोरीआवी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

स्रोत कृषि ज्ञान :प्रबंधन इकाई भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद,गुजरात।